पाइय विज्जा
(प्राकृत विद्या)

2

जय जिनशासन प्रकाशन श्रुत रत्नाकर

गंगा से गंगोत्री

भाषा और नदी ... नदी और भाषा ...दोनों में प्रवाह है... दोनों सभ्यता-संस्कृति को विकसित करती हैं... दोनों में जीवंतता है। नदियों में गंगा नदी विशेष है। उसमें लोग डुबकी लगाते हैं। कुछ लोग गंगा के उद्‌गम स्थल गंगोत्री तक पहुँचने की ठानते हैं। वहां तक पहुँचने में कठिनाइयाँ हैं, पर गंगोत्री दर्शन की उत्कंठा मार्ग की बाधाएँ गौण कर देती है।

हमारी जन भाषा गंगा नदी के समान है और गंगोत्री है प्राकृत भाषा। इस भाषा की यात्रा रोमांच से भरपूर है। इस साहसिक व आनंदित यात्रा के पड़ाव के रूप में प्रस्तुत है यह पुस्तक।

पाइय विज्जा
(प्राकृत विद्या)

2

साभार:

सहायक पुस्तक- व्याकरण सुधा (हिन्दी व्याकरण)

श्रमण पब्लिशर्स प्रा. लि.

पुस्तक : पाइय विज्जा-2 • प्रतियां-1000 • संस्करण- सन् 2025

प्रकाशक : जय जिनशासन प्रकाशन (दिल्ली) एवं श्रुत रत्नाकर (अहमदाबाद)

मुद्रक : पारस ऑफसैट प्रा. लि., कुण्ड़ली, सोनीपत

साज-सज्जा : ओम कम्प्यूटर्स, सिरसा

प्राप्ति स्थान : 212, वीर अपार्टमेंट, सैक्टर-13, रोहिणी-दिल्ली-85

मोबाइल: 98102-87446

अणुक्कमणिया / अणुक्रमणिका

कमंक /क्रमांक	विसय/विषय		पेज नं.
•	गाथा	(Gatha)	...
1.	व्यावहारिक वाक्य	(Practical Sentences)	1-2
2.	प्राकृत भाषा	(Prakrit Language)	3-5
3.	वर्ण	(Alphabet)	6-7
4.	व्यंजन-संयुक्त, असंयुक्त	(Consonants)	8-9
5.	शब्द-भंडार	(Vocabulary)	10-13
6.	संज्ञा	(Noun)	14-18
7.	लिंग	(Gender)	19-20
8.	वचन	(Number)	21-22
9.	सर्वनाम	(Pronoun)	23
10.	विशेषण	(Adjective)	24-26
11.	क्रिया	(Verb)	27-28
12.	वाक्य	(Sentence)	29-30
13.	अव्यय	(Avyaya)	31-32
14.	शिक्षाएं	(Morals)	33-34
15.	गिनती	(Counting)	35-36
16.	कहानी	(Story)	37-40
17.	कहानी	(Story)	41-44
18.	समय बोध	(Time Knowledge)	45-46
19.	रुपये और पैसे	(Rupees & Paisa)	47-48
20.	भगवान् महावीर	(Lord Mahaveera)	49-50
21.	राज्य	(States)	51-52
22.	प्रसिद्ध धर्म पुरुष	(Famous Religious Leaders)	53-54
23.	देश के प्रधानमंत्री	(Prime Ministers of India)	55-56
24.	देश के प्रसिद्ध व्यक्ति	(Famous Person of India)	57-58

गाथा

धम्मो मंगलमुक्किट्ठं
अहिंसा संजमो तवो।
देवा वि तं णमंसंति,
जस्स धम्मे सया मणो।।

अर्थ

अहिंसा, संयम और तप रूप धर्म ही उत्कृष्ट मंगल (कल्याणकारी) है। जिस व्यक्ति का मन सदा ऐसे धर्म में लीन रहता है, उस व्यक्ति को देवता भी नमस्कार करते हैं।

1 व्यावहारिक वाक्य
(Practical Sentences)

व्यावहारिक वाक्य

1.	जय जिनेन्द्र !	Jai Jinendra!	जयउ जिणिंदो !
2.	शुभ प्रभात !	Good Morning!	सुप्पभायं अत्थु !
3.	शुभ मध्यान्ह !	Good Afternoon!	सुमज्झण्हं होउ !
4.	शुभ संध्या !	Good Evening!	सुसंझा भवउ !
5.	शुभ रात्रि !	Good Night!	सुरयणी हवेज्ज !
6.	नमस्ते !	I bow to you!	नमोत्थु ते !
7.	कैसे हो ?	How are you?	कहं अणुहवसि ?
8.	ठीक हूं।	I am fine.	कुसली अहं।
9.	भगवान की कृपा है।	Blessing of God.	पहुणो किवा अत्थि।
10.	बैठिए	Please, Sit here.	आसहि
11.	शाबाश	Very Good.	साहू ! साहू !
12.	आपका धन्यवाद	Thankyou	धण्णवाओ भवंताणं
13.	माफ कीजिए।	Sorry	मिच्छामि दुक्कडं।

उपर्युक्त वाक्यों को याद करें व इनका प्रयोग करें।

अभ्यास

रिक्त स्थान भरो:-

1. जयउ .....।
2. ..... अत्थु।
3. ..... होउ।
4. ..... भवउ।
5. सुरयणी .....।
6. ..... ते।
7. ..... अणुहवसि।
8. ..... अहं।
9. ..... किवा अत्थि।
10. .....! साहू!
11. ..... भवंताणं।
12. ..... दुक्कडं।

उपर्युक्त वाक्यों की हिन्दी लिखिए-

1. .....
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....
6. .....
7. .....
8. .....
9. .....
10. .....
11. .....
12. .....

2 प्राकृत भाषा (Prakrit Language)

- भाषा वह साधन है जिसके द्वारा मनुष्य बोलकर या लिखकर अपने विचार प्रकट करता है।
- भाषाएं हजारों हैं।
- हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत की ही तरह प्राकृत भी एक भाषा है।

भाषा के 2 रूप हैं:-

1. मौखिक भाषा (Oral Language)
2. लिखित भाषा (Written Language)

भाषा के मौखिक प्रयोग:-

दो व्यक्ति बात करते हैं।

भाषा के लिखित प्रयोग:-

सिर्फ परिचय के लिए

भारत में अनेक भाषाएं बोली जाती हैं।

हिन्दी –	हिन्दी	पंजाबी –	ਪੰਜਾਬੀ
मराठी –	मराठी	सिंधी –	سنڌي
संस्कृत –	संस्कृत	उर्दू –	اردو
गुजराती –	ગુજરાતી	बांग्ला –	বাংলা
अंग्रेजी –	English	असमिया –	অসমীয়া
तमिल –	தமிழ்	कन्नड़ –	ಕನ್ನಡ
तेलुगु –	తెలుగు	मलयालम –	മലയാളം

कुछ प्रसिद्ध विदेशी भाषाएं:-

फ्रैंच –	Français	जैपनीज –	日本語
चाइनीज –	中文	रशियन –	Русский
जर्मन –	Deutsch		

प्राकृत भाषा

- यह जैन ग्रन्थों की भाषा है।
- ढाई हजार साल पहले हिन्दी, पंजाबी आदि भाषाएं नहीं होती थी, तब आमजन प्राकृत भाषा ही बोलता था।
- आज भी प्राकृत भाषा में हजारों प्रकाशित / अप्रकाशित रचनाएं उपलब्ध होती हैं।
- केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राकृत भाषा को शास्त्रीय भाषा (Classical Language) का दर्जा दिया गया है।

अभ्यास

1. भाषा किसे कहते हैं?

.....

2. भाषा के दो रूप कौन-2 से हैं?

.....

3. किन्हीं 4 भारतीय भाषाओं के नाम बताएं।

.....

4. कौन से ग्रन्थ प्राकृत भाषा में लिखे गए हैं?

.....

5. प्राकृत भाषा को कौन सा दर्जा प्राप्त है?

.....

किन्हीं 5 भाषाओं को खोजें और लिखें।

क	ला	धी	बी	पं	जा
हिं	दी	प्रा	ज	क	त
म	संस्-	कृ	त	बी	बी
सा	या	त	पं	मि	बां
अ	सा	म	म	गु	ल
म	रा	पं	ठी	ज	बां
म	ल	या	ल	म	रा

1. .....
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....

3 वर्ण (Alphabet)

- भाषा की सबसे छोटी ईकाई वर्ण है। वर्णों के और टुकड़े नहीं किए जा सकते।
- वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।

वर्णों को दो भागों में बांटा जाता है:-

1. स्वर (Vowels) 2. व्यंजन (Consonants)

प्राकृत भाषा में मुख्य स्वर (Vowels) 8 हैं।

अ	आ	इ	ई
उ	ऊ	ए	ओ

प्राकृत में ऐ, औ, विसर्ग (:), ऋ, लृ का प्रायः प्रयोग नहीं होता है।

- **प्राकृत भाषा में व्यंजन (Consonants) 31 हैं।**

क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व
स ह

⇨ **श, ष, क्ष, त्र, ज्ञ का प्रयोग प्राकृत भाषा में नहीं होता है।**

प्राकृत भाषा में ऐसे प्रयोग भी नहीं होते।

ँ	अनुनासिक
प्र	वर्ण के साथ नीचे व
धर्म	ऊपर प्रयोग किया जाने वाला र् प्राकृत भाषा में प्रयुक्त नहीं होता।

हिन्दी	प्राकृत
चाँद	चंदो
प्रकाश	पगास
धर्म	धम्मो

अभ्यास

1. वर्ण किसे कहते हैं?

.....

2. वर्णमाला किसे कहते हैं?

.....

3. वर्णों के दो भाग कौन-2 से हैं?

.....

4. स्वरों और व्यंजनों की संख्या बताएं।

.....

नीचे दिए गए वर्णों पर (✓) या (✗) का निशान लगाएं।
जो प्राकृत में प्रयुक्त होते हैं, उन पर (✓) का निशान लगाएं,
जो प्रयुक्त नहीं होते, उन पर (✗) का निशान लगाएं।

	✓/✗		✓/✗		✓/✗		✓/✗
अ		ङ		फ		प्र	
औ		ञ		य		ज्ञ	
ऐ		क्ष		श		स	
ए		ड		त्र		ष	

4 व्यंजन (Consonant) संयुक्त और असंयुक्त

- व्यंजन का शब्दों में दो रूपों में प्रयोग होता है–
  1. संयुक्त व्यंजन 2. असंयुक्त व्यंजन

1. संयुक्त व्यंजन– जब दो व्यंजनों के बीच में कोई स्वर न आए तो वे व्यंजन संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं।
जैसे: धम्मो– ध्+अ+म्+म्+ओ
– यहां दो म् म् के बीच में अ, आ आदि कोई स्वर न आने से ये व्यंजन संयुक्त कहलाएंगे।
इसी तरह सिद्ध, बुद्ध, दुद्ध आदि शब्दों में द् और ध् को भी संयुक्त मानें।

सिद्ध– स् + इ + द् + ध् + अ
बुद्ध– ब् + उ + द् + ध् + अ
दुद्ध– द् + उ + द् + ध् + अ

2. असंयुक्त व्यंजन– जब दो व्यंजनों के बीच में कोई स्वर आ आए तो वे असंयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। जैसे कमल, नमन आदि शब्दों में कहीं भी दो व्यंजन इकट्ठे नहीं हैं। बीच में स्वर है, अत: यहां सभी व्यंजन असंयुक्त हैं।

कमल– क् + अ + म् + अ् + ल् + अ
नमन– न् + अ + म् + अ् + न् + अ

अभ्यास

1. संयुक्त व्यंजन किसे कहते हैं?

.....

.....

2. असंयुक्त व्यंजन किसे कहते हैं?

.....

.....

निम्नलिखित शब्दों में से उन शब्दों को Underline करें जिनमें संयुक्त व्यंजनों का प्रयोग हुआ है।

कम्म (कर्म)	कज्ज (कार्य)	धम्म (धर्म)	सत्ति (शक्ति)
भत्ति (भक्ति)	पसिद्ध (प्रसिद्ध)	रत्त (रक्त)	भत्ति (भक्ति)
देव (देव)	माणव (मानव)	नारय (नारक)	पसु (पशु)
पत्त (पत्र)	मित्त (मित्र)	साहु (साधु)	सई (सती)
जल (जल)	विज्जालय (विद्यालय)	दाण (दान)	पुण्ण (पुण्य)
पाव (पाप)	जीव (जीव)	अप्पा (आत्मा)	परमप्पा (परमात्मा)

5 शब्द भण्डार (Vocabulary)

- वर्णों के सार्थक मेल से शब्द बनते हैं।
  जैसे- र् + आ + म् + अ – राम
  – म् + अ + ह् + आ + व् + ई + र् + अ – महावीर

प्राकृत भाषा का शब्द भण्डार सुविशाल है। इसमें विविध प्रकार के शब्द हैं। जैसे-

1. पर्यायवाची शब्द (Synonyms)
2. विलोम शब्द (Antonyms)
3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One word substitution)
4. अनेकार्थी शब्द (Words having several meanings.)

1 समान अर्थ वाले शब्द पर्यायवाची कहलाते हैं-

पर्यायवाची		पर्यायवाची	
हिन्दी शब्द	प्राकृत शब्द	हिन्दी शब्द	प्राकृत शब्द
आंख	नयणं, नेत्तं, लोयणं	साधु	साहू, समणो, मुणी
आकाश	नहं, गयणं, आगासं	ईश्वर	ईसरो, भगवं, पहू
कमल	पंकयं, नीरयं, कमलं	आत्मा	अप्पा, अत्ता, जीवो,
घर	गेहं, घरं, आवासं	स्त्री	णारी, इत्थी, महिला
जल	जलं, वारि, नीरं	चंद्रमा	चंदो, ससी, हिमंसु

2 विपरीत अर्थ वाले शब्द विलोम शब्द कहे जाते हैं।

(विलोम शब्द)

हिन्दी शब्द	प्राकृत शब्द	हिन्दी शब्द	प्राकृत शब्द
पाप	पावो / पावं	पुण्य	पुण्णो / पुण्णं
ज्ञान	णाणं	अज्ञान	अण्णाणं
धर्म	धम्मो	अधर्म	अधम्मो / अहम्मो
सम्मान	सम्माणं	अपमान	अवमाणं / ओमाणं
सफल	सहलं	असफल	असहलं
सत्य	सच्चं	असत्य	असच्चं

3 अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

जो जनता की रक्षा करे	– रक्खापुरिसो	(Police)	रक्षापुरुष
जो रोगी की चिकित्सा करे	– तिगिच्छगो	(Doctor)	डॉक्टर
जो कपड़े सिलाई करे	– सूइओ	(Tailor)	दर्जी
जो चित्र बनाए	– चित्तगरो	(Painter)	चित्रकार
जो मिट्टी के बर्तन बनाए	– कुंभयारो	(Potter)	कुम्हार
जो खेती का काम करे	– कासगो	(Farmer)	किसान

4 अनेक अर्थ वाले शब्द

ऐसे शब्द, जिनके अनेक अर्थ होते हैं, वे अनेकार्थी शब्द कहे जाते हैं।

हिन्दी शब्द	प्राकृत शब्द	अर्थ
अंक	अंको	गोद, संख्या
उत्तर	उत्तरो	उत्तर, उत्तर दिशा
दंड	डंडो	डंडा, सजा
पत्र	पत्त	पत्ता, चिट्ठी
फलं	फलं	फल (Fruit), परिणाम

अभ्यास

1. शब्द किसे कहते हैं?

.....

2. शब्दों के चार प्रकार बताएं।

.....

3. पर्यायवाची शब्द किन्हें कहते हैं?

.....

4. विलोम शब्द किसे कहते हैं?

.....

5. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का कोई उदाहरण लिखें।

.....

6. अनेक अर्थ वाले शब्द से क्या मतलब है?

.....

दो-दो पर्यायवाची लिखिए-

नयणं – .... साहू – ....

गयणं – .... ईसरो – ....

कमलं – .... अप्पा – ....

मिलान करो-

1	धम्मो	1	असच्चं
2	पावो	2	अवमाणं
3	सम्माणं	3	अधम्मो
4	सहलं	4	पुण्णो
5	सच्चं	5	असहलं

कोई 4 अनेकार्थक शब्द लिखें व उनके दो-2 अर्थ लिखें।

..... = ...

..... = ...

..... = ...

..... = ...

केवल परिचयार्थ

भारतीय बारह महीने

भारहीअ-बारहमासा

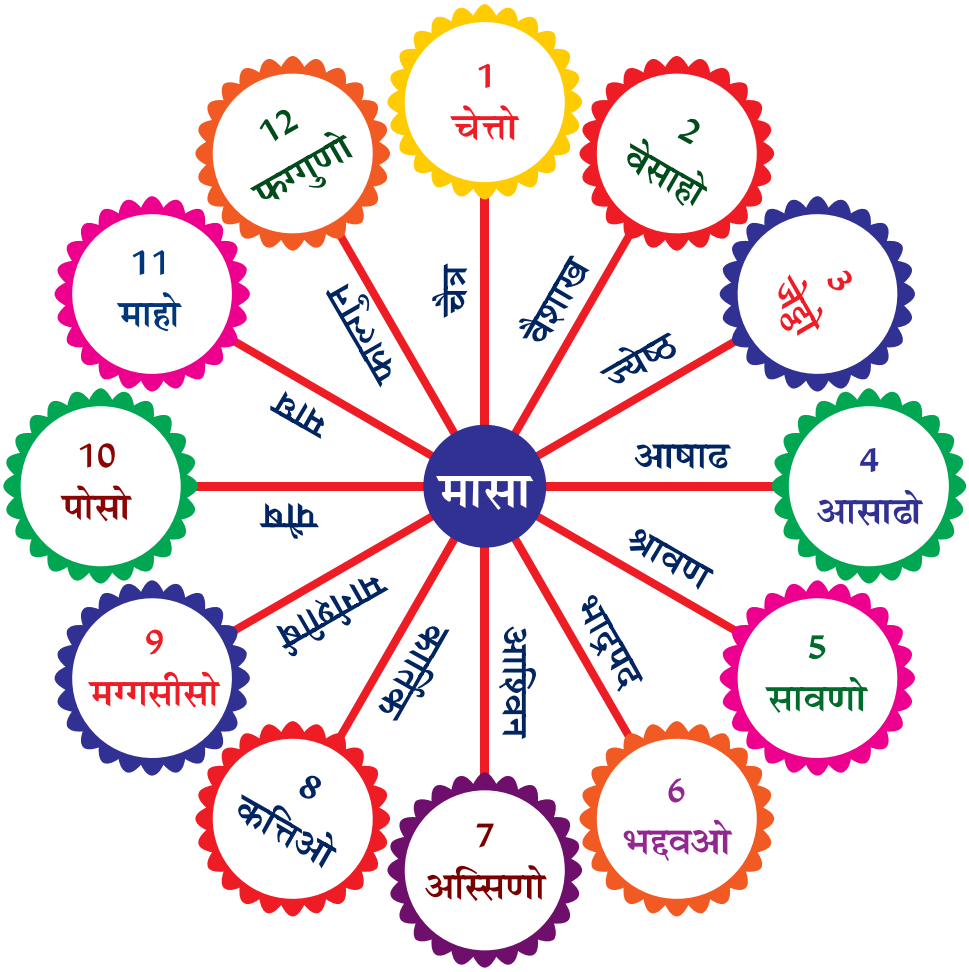

6 संज्ञा (Noun)

- प्राकृत भाषा में भी अन्य भाषाओं की तरह संज्ञा शब्द (Noun) प्रयुक्त होते हैं। जो भी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि हैं, उनका नाम अवश्य होता है, वही नाम उस व्यक्ति वस्तु आदि की संज्ञा है।

अम्बं (आम)

सेव्वं (सेब)

कयलं (केला)

गिंजणं (गाजर)

आलुयं (आलू)

रत्तंगं (टमाटर)

मज्जारो (बिल्ली)

सुणओ / कुक्कुरो (कुत्ता)

आसो / अस्सो (घोड़ा)

कागो / वायसो (कौआ)

चडया (चिड़िया)

मऊरो / मोरो (मोर)

मसगो (मच्छर)

मच्छिआ (मक्खी)

पिवीलिया (चींटी)

सभरी (मछली)

कच्छओ (कछुआ)

अट्ठभुओ (ओक्टोपस)

पोत्थयं (पुस्तक)

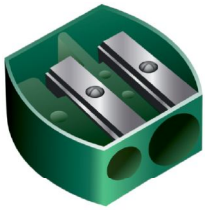

तेअणं (पेन्सिल तराश)

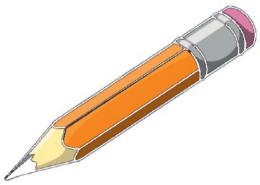

सीसग लेहणी (पेन्सिल)

गेन्दुअं (गेंद)

कम्म पट्टो (कैरम बोर्ड)

पाय गेन्दुअं (फुटबॉल)

दप्पणं (शीशा)

कक्कं (साबुन)

कुच्चगं (कंघा)

- किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। जैसे-

व्यक्ति	प्रभु महावीर **पहू महावीरो**	प्रभु राम **पहू रामो**	राहुल **राहुलो**	सीता **सीया**	सोनम **सोणम**
प्राणी	कुत्ता **सुणओ**	बिल्ली **मज्जारी**	मोर **मोरो**	मक्खी **मच्छिआ**	चींटी **पिवीलिया**
वस्तु	पुस्तक **पोत्थअं**	पेन्सिल **सीसग लेहणी**	कुर्सी **आसन्दी**	घर **घरं**	बिस्तर **वित्थरं**
स्थान	दिल्ली **दिल्ली**	भारत **भारहो**	गुरुग्राम **गुरुग्गामं**	मुम्बई **मुम्बई**	आगरा **आयरा**
भाव	क्रोध **कोहो**	प्रसन्नता **पसण्णया**	निराशा **निरासा**	ऊंचाई **उच्चया**	विनम्रता **विणम्मआ**

संज्ञा के भेद (Kinds of Nouns)

संज्ञा के 3 भेद हैं-

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun)

जिस संज्ञा शब्द से किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान का पता चलता है, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- राम, श्याम, पुस्तक, लालकिला, आगरा आदि।

- रामो, सामो, पोत्थअं, लालकिला (लोहिय दुग्गो), आयरा आइणो।

2. जातिवाचक संज्ञा (Common Noun)

जिस संज्ञा शब्द से किसी जाति अर्थात् वर्ग/समूह का पता चले, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- पिता, माता, पशु, शहर आदि।

- पियरो, माया, पसू, णयरं (नयरं) आइणो।

3. भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun)

जिस संज्ञा शब्द से किसी भाव, गुण, अवस्था का पता चले, उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- क्रोध, बुढापा आदि।

- कोहो, वुड्ढत्तं आइणो।

अभ्यास

1. संज्ञा किसे कहते हैं?

.....

.....

2. संज्ञा के 9 उदाहरण दें। नाम प्राकृत में लिखें।

....

....

....

3. संज्ञा के कितने भेद हैं व कौन-2 से हैं?

.....

.....

4. जातिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं?

.....

.....

5. व्यक्तिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं? 5 उदाहरण भी दें (प्राकृत में)।

.....

.....

.....

.....

.....

तीन तरह की संज्ञाओं में से बताएं कि निम्नलिखित शब्दों की कौन सी संज्ञा है?

हिन्दी		प्राकृत शब्द
राम		रामो
सुशील		सुसीलो
जयपुर		जयउरं
भाई		भाया
राजा		राया
आवेश		आवेसो
अकड़		अहंकारो
बुढापा		वुड्ढत्तं
क्रोध		कोहो
अमेरिका		अमेरिआ
जापान		जावाणो

7 लिंग (Gender)

- हिन्दी भाषा में पुल्लिंग और स्त्रीलिंग-ये दो लिंग प्रचलित हैं। किन्तु प्राकृत भाषा में पुल्लिंग, स्त्रीलिंग व नपुंसकलिंग-ऐसे तीन लिंग माने गए हैं।

1. **पुल्लिंग-** रामो (राम), सिंहो (शेर), मोरो (मयूर), मिगो (मृग)
2. **स्त्रीलिंग-** इत्थी (स्त्री), चडया (चिड़िया), मज्जारी (बिल्ली)
3. **नपुंसकलिंग-** पोत्थअं (पुस्तक), अम्बं (आम), सेव्वं (सेब)

पुल्लिंग शब्द	स्त्रीलिंग शब्द	नपुंसकलिंग शब्द
पियरो (पिआ) (पिता)	माआ (माता)	संतिहरं (संतरा)
पियामहो (दादा)	पिआमही (दादी)	दाडिमं (अनार)
भाया (भाई)	भगिणी (बहन)	पपीयं (पपीता)
पुत्तो (बेटा)	पुत्ती (पुत्री)	कालिंदं (तरबूज)
माउलो (मामा)	माउली (मामी)	दक्खाफलं (अंगूर)

अभ्यास

1. हिन्दी भाषा में लिंग कितने प्रकार के हैं?

.....

2. प्राकृत भाषा में लिंग के कितने व कौन-2 से प्रकार हैं?

.....

3. कोई 4-4 शब्द तीनों लिंगों के लिखो (प्राकृत में)।

पुल्लिंग- ....

स्त्रीलिंग- ....

नपुंसकलिंग- ....

4. निम्नलिखित शब्दों का लिंग बताएं।

भगिणी	.....	कालिंदं	.....
पपीयं	.....	पुत्ती	.....
माउलो	.....	भाया	.....
माउली	.....	पियरो	.....
पिआमहो	.....	दक्खाफलं	.....

8 वचन (Number)

- **संस्कृत में** एकवचन, द्विवचन और बहुवचन–ऐसे तीन वचन होते हैं।
  हिन्दी व इंग्लिश में एकवचन और बहुवचन–ऐसे दो वचन होते हैं।
  प्राकृत भाषा में भी एकवचन व बहुवचन–ये दो वचन होते हैं।

वचन– शब्द के जिस रूप से वस्तु के एक या अनेक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं।

वचन के भेद– 1. एकवचन 2. बहुवचन

एकवचन (Singular Number)
जो शब्द वस्तु के एक होने का बोध कराए, वह एकवचन है।

बहुवचन (Plural Number)
जो शब्द वस्तु के एक से अधिक होने का बोध कराए, उसे बहुवचन कहते हैं।

	एकवचन	बहुवचन
पुल्लिंग शब्द	पुत्तो (एक पुत्र)	पुत्ता (अनेक पुत्र)
	गद्दहो (एक गधा)	गद्दहा (अनेक गधे)
	उट्टो (एक ऊंट)	उट्टा (अनेक ऊंट)
स्त्रीलिंग शब्द	बाला (एक लड़की)	बालाओ (अनेक लड़कियां)
	माआ (एक माता)	माआओ (अनेक माताएं)
	पुत्ती (एक पुत्री)	पुत्तीओ (अनेक पुत्रियां)
नपुंसकलिंग शब्द	अम्बं (एक आम)	अम्बाणि/अम्बाइं (अनेक आम)
	सेव्वं (एक सेब)	सेव्वाणि/सेव्वाइं (अनेक सेब)
	कयलं (एक केला)	कयलाणि/कयलाइं (अनेक केले)

अभ्यास

1. किस भाषा में कितने वचन माने गए हैं?

   हिन्दी ..... संस्कृत .....

   इंग्लिश ..... प्राकृत .....

2. प्राकृत के दोनों वचनों के नाम लिखो।

   .....

   .....

3. एकवचन किसे कहते हैं?

   .....

   .....

4. बहुवचन किसे कहते हैं?

   .....

   .....

5. नीचे 10 शब्द दिए गए हैं, उनमें से एकवचन व बहुवचन के शब्द अलग-अलग छांटें। उनके अर्थ भी लिखें।

   - अम्बाणि, बाला, पपीयं, माउलो, माउलीओ, भगिणीओ, पुत्तो, पुत्तीओ, कयलाइं, संतिहरं

	एकवचन	अर्थ		बहुवचन	अर्थ
1.			6.		
2.			7.		
3.			8.		
4.			9.		
5.			10.		

9 सर्वनाम (Pronoun)

सर्वनाम– संज्ञा (Pronoun) के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहे जाते हैं। जिनमें प्रमुख सर्वनाम हैं–
मैं, हम, तू, तुम, वह, वे, यह, ये, आप, कोई, कौन आदि।

प्राकृत भाषा के सर्वनाम

मैं	–	अहं	यह	–	इमो
हम	–	अम्हे	ये	–	इमे
तू	–	तुमं	आप	–	भवं
तुम	–	तुम्हे	कोई	–	को वि
वह	–	सो	कौन	–	को
वे	–	ते			

अभ्यास

A

निम्नलिखित हिन्दी वाक्यों के रिक्त स्थानों को प्राकृत भाषा के सर्वनामों से पूर्ण करें।

1. ..... पढ़ता हूं।
2. ..... पढ़ते हैं।
3. ..... पढ़ते हो।
4. ..... सब पढ़ते हो।
5. ..... पढ़ता है।
6. ..... पढ़ते हैं।

B

सर्वनाम ढूंढिए

अ	भे	तु	मं	मे
ने	म्हे	ज	झ	चे
सो	त	थ	सी	इ
नी	भ	वं	मा	मो
इ	ना	हे	भे	चा
अ	मे	हं	को	हं

10 विशेषण (Adjective)

- **विशेषण**– जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं।

विशेषण	विशेष्य
लाल	गुलाब
हरा	तोता
सुन्दर	बच्चा
ठण्डी	लस्सी
गर्म	दूध

विशेषण	विशेष्य
रत्तं	पाडलं
हरिओ	सुओ
सुन्दरो	बालओ
सीअलं	तक्कं
उण्हं	दुद्धं

विशेषण– किसी वस्तु की संख्या के बारे में भी बताते हैं, जैसे–

विशेषण	विशेष्य
एक	आम
दो	सेब
तीन	छात्र
चार	विद्यालय
पांच	अध्यापक

विशेषण	विशेष्य
एगं	अम्बं
दुवे/दोण्णि	सेव्वाणि/सेव्वाइं
तओ	छत्ता
चउरो	विज्जालआ
पंच	अज्झावया

कुछ अन्य विशेषण भी जानिए।

विशेषण	विशेष्य
कम	नमक
ज्यादा	पानी
खारा	पानी
मीठा	दूध
छोटा	खरगोश

विशेषण	विशेष्य
अप्पं	लवणं
अहियं	जलं
खारं	जलं
महुरं	दुद्धं
लहु	ससगो

अभ्यास

1. विशेषण किसे कहते हैं?

   .....

   .....

2. प्राकृत के पांच विशेषण लिखें।

   .....

   .....

3. संख्यावाची पांच विशेषण बताएं।

   .....

   .....

4. प्राकृत शब्द लिखें।

हरा	.....	एक	.....
गर्म	.....	पांच	.....
लाल	.....	कम	.....
मीठा	.....	खारा	.....

5. मिलान करो–

A	B
1. रत्तं	दुद्धं
2. उण्हं	तक्कं
3. अप्पं	जलं
4. खारं	विज्जालआ
5. महुरं	पाडलं
6. सीअलं	दुद्धं
7. हरिओ	लवणं
8. सुन्दरो	सुओ
9. चउरो	बालओ

6. विशेषण व विशेष्य को छांट कर लिखें–

सुओ	अप्पं	तक्कं	दुवे
दुद्धं	लहु	लवणं	ससगो
हरिओ	पाडलं	सीअलं	खारं

विशेषण			

विशेष्य			

11 क्रिया (Verb)

- **क्रिया**– जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का पता चलता है, उन्हें क्रिया कहते हैं।

जैसे– हिन्दी – राम जाता है। यहां 'जाना' क्रिया है।

प्राकृत– रामो गच्छइ। यहां 'गच्छइ' क्रिया है।

प्राकृत भाषा की कुछ प्रसिद्ध क्रियाएं–

पिब – पीना	**गा** – गाना	**नम** – नमन करना
खा – खाना	**हो** – होना	**पास** – देखना
गच्छ – जाना	**खेल** – खेलना	**पढ** – पढ़ना
सय – सोना	**नच्च** – नाचना	**लिह** – लिखना

पिब–पीना

खा–खाना

गच्छ–जाना

सय–सोना

गा–गाना

हो–होना

खेल–खेलना

नच्च–नाचना

नम–नमन करना

पास–देखना

पढ–पढ़ना

लिह–लिखना

अभ्यास

1. क्रिया किसे कहते हैं?

.....

.....

2. प्राकृत भाषा का एक वाक्य व उसका अर्थ लिखें।

.....

.....

3. Pic. देखकर प्राकृत भाषा का क्रिया शब्द लिखें।

1. .....

2. .....

3. .....

4. .....

5. .....

6. .....

7. .....

8. .....

9. .....

12 अव्यय (Avyaya)

- **अव्यय**– जो शब्द सर्वत्र बिना किसी परिवर्तन के प्रयुक्त होते हैं, वे अव्यय कहलाते हैं।

अव्यय–

न/ण	–	नहीं	**अज्ज**	–	आज
किं	–	क्या	**कल्लिं**	–	कल
एत्थ	–	यहां	**सणिअं**	–	धीरे
तत्थ	–	वहां	**उवरिं**	–	ऊपर
कत्थ	–	कहां	**पच्छा**		पीछे

1. **अहं मज्जं न पिबामि।** – मैं शराब नहीं पीता हूं।
2. **तुमं किं पढसि?** – तुम क्या पढ़ते हो?
3. **एत्थ जलं न अत्थि।** – यहां पानी नहीं है।
4. **तत्थ दुद्धं न अत्थि।** – वहां दूध नहीं है।
5. **पोत्थअं कत्थ अत्थि?** – पुस्तक कहां है?
6. **अज्ज अवकासो अत्थि।** – आज अवकाश (छुट्टी) है।
7. **कल्लिं अवकासो अत्थि।** – कल अवकाश (छुट्टी) है।
8. **सणिअं पढ।** – धीरे पढो।
9. **उवरिं गच्छ।** – ऊपर जाओ।
10. **पच्छा पास।** – पीछे देख।

अभ्यास

1. अव्यय किसे कहते हैं?

.....

.....

2. किन्हीं 5 अव्ययों को लिखिए।

.....

.....

3. अव्ययों का प्रयोग करते हुए 5 वाक्य लिखें। (नए वाक्य बना सकें तो नए वाक्य बनाएं, अन्यथा पुस्तक में दिए गए वाक्यों का ही प्रयोग करें।)

1. .....
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....

4. अव्ययों में उत्तर दें-

सूरज कहां है

कछुआ कैसे चलता है

क्या आप देवता हैं

जहां चाह ____ राह

आज के अगले दिन क्या आएगा

13 वाक्य (Sentence)

- **वाक्य–** शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं। जैसे:- राम पुस्तक पढ़ता है।
  – रामो पोत्थयं पढइ।

प्राकृत के कुछ प्रमुख वाक्य

1.	अहं पढामि।	– मैं पढ़ता हूं।	9.	तुमं पढीअ।	– तू पढ़ा।
2.	अम्हे पढामो।	– हम पढ़ते हैं।	10.	तुम्हे पढीअ।	– तुम पढ़े।
3.	तुमं पढसि।	– तू पढ़ता है।	11.	सो पढीअ।	– वह पढ़ा।
4.	तुम्हे पढित्था। (पढह)	– तुम पढ़ते हो।	12.	ते पढीअ।	– वे पढ़े।
5.	सो पढइ।	– वह पढ़ता है।	13.	अहं पढिहिमि।	– मैं पढ़ूंगा।
6.	ते पढन्ति।	– वे पढ़ते हैं।	14.	तुमं पढिहिसि।	– तू पढ़ेगा।
7.	अहं पढीअ।	– मैं पढ़ा।	15.	सो पढिहिइ।	– वह पढ़ेगा।
8.	अम्हे पढीअ।	– हम पढ़े।			

अभ्यास

1. वाक्य किसे कहते हैं?

.....

.....

2. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी अर्थ में मिलान करें।

1. अम्हे पढीअ।	हम पढ़ते हैं।
2. तुम्हे पढित्था।	तू पढ़ा।
3. सो पढइ।	मैं पढ़ता हूं।
4. तुमं पढीअ।	हम पढ़े।
5. ते पढन्ति।	वह पढ़ता है।
6. तुमं पढसि।	वे पढ़ते हैं।
7. अम्हे पढामो।	तू पढ़ता है।
8. अहं पढामि।	तुम पढ़ते हो
9. अम्हे पढीअ।	वह पढ़ेगा।
10. तुमं पढिहिसि।	मैं पढ़ूंगा।
11. सो पढिहिइ।	तू पढ़ेगा।

14 शिक्षाएं (Morals)

- **शिक्षा**– किसी कार्य को करने या न करने की प्रेरणा शिक्षा है।

निम्नलिखित शिक्षावाक्यों को याद करें।

1. **हिंसणं ण कुव्वेज्जा।**
   – हिंसा नहीं करनी चाहिए।
2. **मुसं ण वएज्जा।**
   – झूठ नहीं बोलना चाहिए।
3. **अदिण्णं ण गिण्हेज्जा।**
   – चोरी नहीं करनी चाहिए।
4. **मंसं न खाएज्जा।**
   – मांस नहीं खाना चाहिए।
5. **मज्जं न पिबेज्जा।**
   – शराब (मद्य) नहीं पीनी चाहिए।

मुसं

अदिण्णादाणं

मंसं

मज्जपाणं

अभ्यास

1. शिक्षा किसे कहते हैं?

.....

.....

2. रिक्त स्थान भरो।

1. ..... ण कुव्वेज्जा।
2. ..... ण वएज्जा।
3. ..... ण गिण्हेज्जा।
4. ..... ण खाएज्जा।
5. ..... ण पिबेज्जा।

3. चित्र देखें और सम्बंधित शब्द लिखें।

1. .....

2. .....

3. .....

4. .....

5. .....

15 क्रमवाचक संख्या (Ordinal Counting)

	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसकलिंग
1st	पढमो, पढमिल्लो	पढमा	पढमं, पढमिल्लं
2nd	बीओ, बिइओ	बीआ, बिइआ	बीअं, बिइअं
3rd	तइओ, तिइज्जो, तीओ	तइआ	तइअं, तिइज्जं, तीअं
4th	चउत्थो	चउत्थी	चउत्थं
5th	पंचमो	पंचमी	पंचमं
6th	छट्ठो	छट्ठी	छट्ठं
7th	सत्तमो	सत्तमी	सत्तमं
8th	अट्ठमो	अट्ठमी	अट्ठमं
9th	नवमो	नवमी	नवमं
10th	दहमो, दसमो	दहमी, दसमी	दहमं, दसमं
11th	एगारसमो, एक्कारसमो एगारहमो	एगारसमी, एक्कारसमी एगारहमी	एगारसमं, एक्कारसमं
12th	बारसमो, दुवालसमो	बारसमी, दुवालसमी	बारसमं, दुवालसमं
13th	तेरहमो, तेरसमो	तेरहमी, तेरसमी	तेरहमं, तेरसमं
14th	चउद्दसमो, चोद्दसमो, चउद्दहमो	चउद्दसमी, चोद्दसमी, चउद्दहमी	चउद्दसमं, चोद्दसमं चउद्दहमं
15th	पण्णरहमो, पण्णरसमो	पण्णरहमी, पण्णरसमी	पण्णरहमं, पण्णरसमं
16th	सोलसमो, सोलहमो	सोलसमी, सोलहमी	सोलसमं, सोलहमं
17th	सत्तरसमो, सत्तरहमो	सत्तरसमी, सत्तरहमी	सत्तरसमं, सत्तरहमं
18th	अट्ठारसमो, अट्ठारहमो	अट्ठारसमी, अट्ठारहमी	अट्ठारसमं, अट्ठारहमं
19th	एगूणवीसमो, अउणवीसमो	एगूणवीसमी, अउणवीसमी	एगूणवीसमं, अउणवीसमं
20th	वीसमो, वीसइमो	वीसमी, वीसइमी	वीसमं, वीसइमं

अभ्यास

1. प्राकृत संख्या-शब्द लिखें।

1st	11th .....
2nd	12th .....
3rd	13th .....
4th	14th .....
5th	15th .....
6th	16th .....
7th	17th .....
8th	18th .....
9th	19th .....
10th	20th .....

2. रिक्त स्थान भरो

1. पढमो अंगुट्ठो। (उदाहरण)
2. ..... तज्जणी
3. ..... मज्झिमा
4. ..... अणामिआ
5. ..... कणिट्ठिआ

16 कहानी (Story)

चित्तकहा-चित्रकथा

ससगस्स दोला

पुत्त ससग, मज्झं पि
सइं सयदोलं देहि।
गिहाण, एयाए डोलाए
अन्दोलणेण बहु पमोओ भविस्सइ।
ऊं, ऊं, ऊं, मम दोला
भग्गा जाया।
पुत्त मा एवं रोदिहि, अहं तुमं अन्दोलेमि।
अहो, इयं दोला पुव्वाए
दोलाए सोहणयरा अत्थि।

चित्रकथा का हिन्दी अर्थ

खरगोश का झूला

1. बंदर मामा, इस रस्सी को पेड़ की डाल से बाँध दो।
   मेरा झूला झूलने का मन कर रहा है।
2. लाओ, अभी बाँध देता हूँ। इसमें कोई जोर नहीं लगता।
3. धन्यवाद मामा! यह तो बढ़िया झूला तैयार हो गया। अब मैं इसमें खूब झूलूँगा।
4. मामा देखो, मेरा झूला कितना ऊपर जा रहा है।
5. खरगोश बेटा, एक बार मुझे भी अपना झूला दे दो।
6. लो, इस झूले में झूलने से बहुत मजा आएगा।
7. ऊँ-ऊँ-ऊँ, मेरा झूला टूट गया।
8. रो मत बच्चे। आ, मैं तुझे झुलाता हूँ।
9. वाह! यह झूला तो पहले झूले से भी अच्छा है।

शब्दार्थ

माउल	–	मामा	संपयं	–	अभी
वाणर	–	बन्दर	परिस्समो	–	परिश्रम (जोर)
इमं रस्सिं	–	इस रस्सी को	साहू	–	अच्छा (धन्यवाद)
रुक्खस्स	–	वृक्ष की	सोहणा	–	बढिया
साहाए	–	शाखा से	पगामं	–	खूब
बन्धेहि	–	बांध दो	उड्ढं	–	ऊपर
दोलाए	–	झूले से	मज्झंपि	–	मुझे भी
अंदोलिउं	–	झूलना	सइं	–	एक बार
इच्छामि	–	चाहता हूं	मा एवं रोदिहि	–	ऐसे मत रो
देहि	–	दो			

अभ्यास

1. रिक्त स्थान भरो

1. इमं ..... रुक्खस्स साहाए बन्धहि।
2. अहं ..... अंदोलिउं इच्छामि।
3. अहं इमाए ..... अन्दोलिहिमि।
4. मम ..... कियंतं उड्ढं गच्छइ।
5. मज्झं पिं सइं ..... देहि।
6. पुत्त मा एवं .....।
7. इयं दोला पुव्वाए दोलाए ..... अत्थि।

प्रश्नोत्तर

1. मामा कौन? .....
2. रस्सी किसने बांधी? .....
3. झूला किसने झूला? .....
4. झूला किसने तोड़ा? .....
5. खरगोश को झूला किसने झुलाया? .....

17 कहानी (Story)

चित्तकहा-चित्रकथा

चडगा वाणरो अ

सिक्खा- मूढो न उवएसारिहो होइ।

चित्रकथा का हिन्दी अर्थ

चिड़िया और बंदर

1. बच्चो! बहुत तेज पानी गिर रहा है। तुम घोंसले से बाहर मत निकलना।
2. अम्मा देखो, ऊपर बंदर मामा भीग रहे हैं।
3. अरे! यह तो ठंड से काँप रहा है।
4. भाई! तुम्हें तो भगवान ने अच्छे-भले हाथ-पैर दिए हैं।
5. तुम अपने लिए एक घर क्यों नहीं बना लेते?
6. अरे! तुम्हें क्या लेना-देना। मैं अपना घर बनाऊँ या नहीं।
7. दुष्ट! मुझे उपदेश देती है। तुझे अभी ठीक करता हूँ।
8. बच्चो, आजकल भलाई का भी समय नहीं रहा।

   मूर्ख को कभी सही सलाह नहीं देनी चाहिए।

शिक्षा- मूर्ख को कभी उपदेश नहीं देना चाहिए।

शब्दार्थ

सिसुणो	– बच्चो	उवरि	– ऊपर
वासा-जलं	– बरसात का पानी	अल्लो	– गीला
वेगेण	– तेजी से	हवइ	– हो रहा है
पडइ	– गिर रहा है	सीएण	– ठण्ड से
नीडाओ	– घोंसले से	सोहणे	– अच्छे-भले
बहिआ	– बाहर	यच्छीअ	– दिए हैं
गच्छह	– जाओ	अप्पणो अट्ठे	– अपने लिए
माय	– हे माता!	कहं	– क्यों
पास	– देखो		

किं पओयणं	– क्या लेना–देना	परामरिसो	– सलाह
हियकरण–कालो	– भलाई का समय	मूढो	– मूर्ख
सुट्ठु	– सही	उवएसारिहो	– उपदेश के लायक

अभ्यास

1. रिक्त स्थान भरो

1. वासा–जलं ..... पडइ।
2. उवरि ..... अल्लो हवइ।
3. अहो, एसो सीएण .....।
4. भायर, पहू तुब्भं सोहणे ..... यच्छीअ।
5. कहं तुमं ..... गिहं न निम्माणसि?
6. दुट्ठ, मम ..... अहं तुमं साहेमि।
7. सिसवो, नायं ..... विज्जइ।
8. मूढो न ..... होइ।

प्रश्नोत्तर

1. ऊपर कौन भीग रहा था? .....
2. बंदर किस कारण कांप रहा था? .....
3. 'अपने लिए घर क्यों नहीं बना लेते? यह किसने कहा? .....
4. 'अरे तुम्हें क्या लेना–देना?' किसने कहा? .....
5. आजकल किसका समय नहीं है? .....
6. किसको उपदेश नहीं देना चाहिए? .....

18 समय बोध (Time Knowledge)

एगवायणं
(एक बजे)

दुवायणं
(दो बजे)

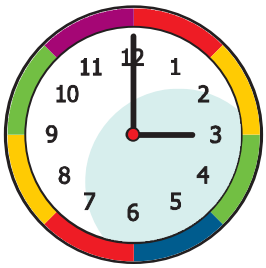

तिवायणं
(तीन बजे)

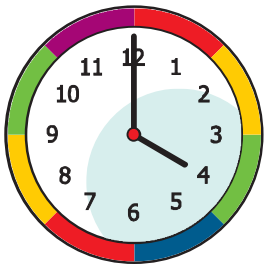

चउवायणं
(चार बजे)

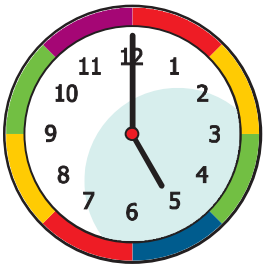

पंचवायणं
(पांच बजे)

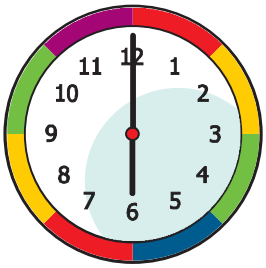

छहवायणं
(छः बजे)

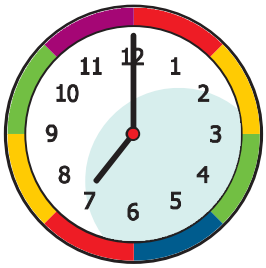

सत्तवायणं
(सात बजे)

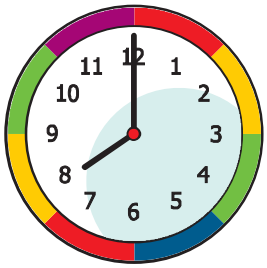

अट्ठवायणं
(आठ बजे)

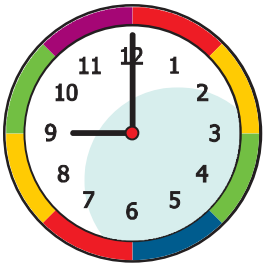

नववायणं
(नौ बजे)

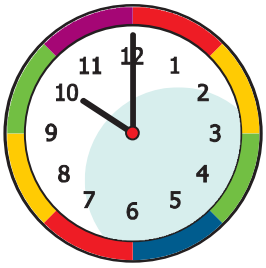

दसवायणं
(दस बजे)

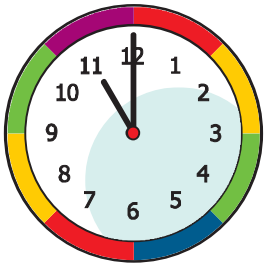

एयारह वायणं
(ग्यारह बजे)

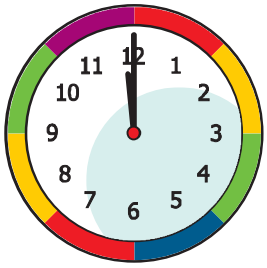

बारह वायणं
(बारह बजे)

अभ्यास

नीचे दिए गए Clocks को देखकर प्राकृत में समय बताएं।

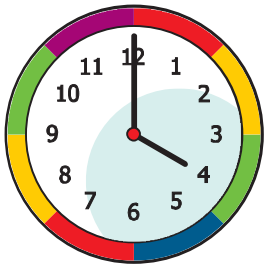

1. .....

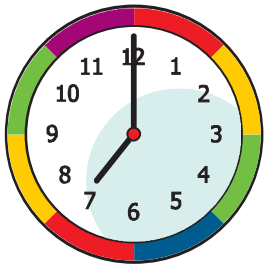

2. .....

3. .....

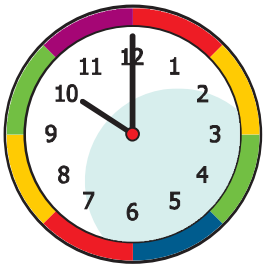

4. .....

5. .....

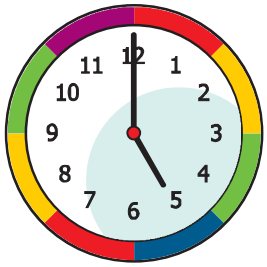

6. .....

7. .....

8. .....

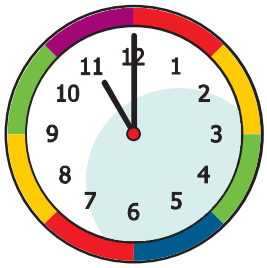

9. .....

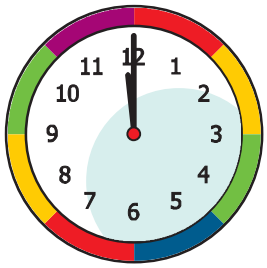

10. .....

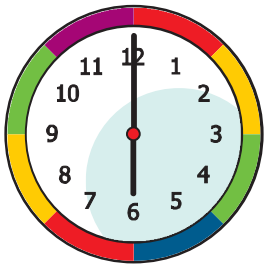

11. .....

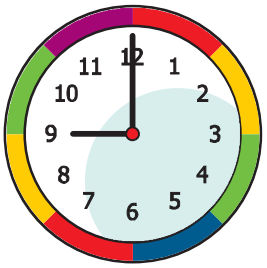

12. .....

19 रुपये और पैसे (Rupees & Paisa)

रूवगं – रुपया	नाणगं – पैसा
रुवगाणि – रुपये	नाणगाणि – पैसे

एगं नाणगं – एक पैसा

पंच नाणगाणि – 5 पैसे

दस नाणगाणि – 10 पैसे

एगं रूवगं
एक रुपया

दोण्णि रूवगाणि
दो रुपये

पंच रूवगाणि
5 रुपये

दस रूवगाणि
10 रुपये

वीसं रूवगाणि – 20 रुपये

पण्णासं रूवगाणि – 50 रुपये

सयं रूवगाणि – 100 रुपये

पणसयं रूवगाणि – 500 रुपये

अभ्यास

चित्र देखें व प्राकृत और हिन्दी शब्द लिखें।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

20 भगवान् महावीर (Lord Mahaveera)

भगवान् महावीर			भगवं महावीरो		
माता	–	त्रिशला देवी	माया	–	तिसला देवी
पिता	–	सिद्धार्थ राजा	पिया	–	सिद्धत्थो राया
भाई	–	नंदीवर्धन	भाया	–	नंदीवद्धणो
बहन	–	सुदर्शना	भगिणी	–	सुदंसणा
आयु	–	72 वर्ष	आयु	–	बेसत्तरी वरिसा
शिष्य	–	इंद्रभूति गौतम	सीसो	–	इंदभूई गोयमो
शिष्या	–	चंदनबाला	सीसा	–	चंदणबाला
धर्म	–	जैन धर्म	धम्मो	–	जेण धम्मो
गति	–	मोक्ष गति	गई	–	मोक्खगई
प्रभु महावीर को नमन			**नमो पहु-महावीरस्स**		

अभ्यास

सभी उत्तर प्राकृत भाषा में दें।

1. 'भगवान् महावीर' को प्राकृत भाषा में क्या लिखेंगे?

   .....

2. भगवान् महावीर स्वामी की माता का नाम लिखें?

   .....

3. भगवान् महावीर स्वामी के पिता, भाई, बहन के नाम लिखें?

   1. पिता–.....

   2. भाई–.....

   3. बहन–.....

4. भगवान् महावीर स्वामी की कुल आयु कितनी थी?

   .....

5. भगवान् के प्रमुख शिष्य और शिष्या का नाम लिखें।

   1. .....

   .....

6. भगवान् महावीर स्वामी ने कौन सा धर्म कहा?

   .....

7. भगवान् की गति कौन सी थी?

   .....

21 राज्य - रज्जाणि (States)

सूचना-

- यदि प्रदेश शब्द का प्रयोग न हो तो जनपद वाचक शब्द बहुवचन में प्रयुक्त होते हैं जैसे- असम के लिए असमो (एकवचन) की बजाए असमा (बहुवचन) का प्रयोग होगा। किन्तु आंध्रप्रदेश के लिए 'अंधप्पएसो' शब्द का प्रयोग होगा।
- असम को पहले कामरूप प्रान्त कहा जाता था।

	राज्य (हिन्दी)	राज्य (प्राकृत)		राज्य (हिन्दी)	राज्य (प्राकृत)
1	आंध्र प्रदेश	अंधप्पएस	16	मणिपुर	मणिउर
2	अरुणाचल प्रदेश	अरुणायल पएस	17	मेघालय	मेहालय
3	असम	असम (कामरूव)	18	मिजोरम	मिओरम
4	बिहार	बिहार	19	नागालैंड	नागालेंड (नागालंद)
5	छत्तीसगढ़	छत्तीसगढ	20	ओडिशा	उडिसा (उक्कला)
6	गोवा	गोवा	21	पंजाब	पंजाब (पंचंबुग)
7	गुजरात	गुयराय	22	राजस्थान	रायट्ठाण
8	हरियाणा	हरियाणा	23	सिक्किम	सिक्किम
9	हिमाचल प्रदेश	हिमायल पएस	24	तमिलनाडु	तमिलणाडु (तमिलप्पएस) / तमिलणालु
10	झारखंड	झारखंड			
11	कर्नाटक	कण्णाडगा	25	तेलंगाना	तेलंगाणा (तेलंगायणा)
12	केरल	केरल	26	त्रिपुरा	तिउरा
13	मध्य प्रदेश	मज्झप्पएस	27	उत्तर प्रदेश	उत्तरप्पएस
14	महाराष्ट्र	मरहट्ठ (महारट्ठ)	28	उत्तराखण्ड	उत्तराखंड
15	जम्मू कश्मीर	जम्मू-कम्हार	29	पश्चिम बंगाल	पच्छिम बंगाल (पच्छिमो बंगदेसो)

अभ्यास

1. स्वर से शुरू होने वाले किन्हीं 5 राज्यों के प्राकृत नाम लिखिए।

   1. ..... 2. ..... 3. .....

   4. ..... 5. .....

2. व्यंजन से शुरू होने वाले किन्हीं 10 राज्यों के प्राकृत नाम लिखिए।

   1. ..... 2. ..... 3. .....

   4. ..... 5. ..... 6. .....

   7. ..... 8. ..... 9. ..... 10. .....

3. आप किस राज्य में रहते हैं?

   .....

22 प्रसिद्ध धर्म पुरुष (Famous Religious Leaders)

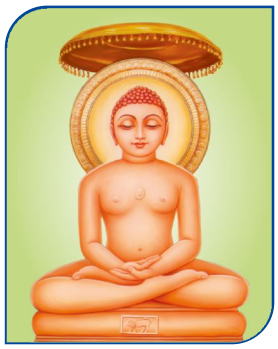

महावीर स्वामी
महावीर सामी

महात्मा बुद्ध
महप्पा बुद्धो

श्री राम
सिरी रामो

श्री कृष्ण
सिरी कण्हो

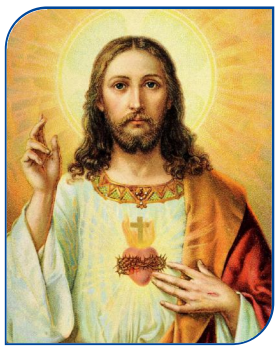

ईसा मसीह
ईसा मसीहो

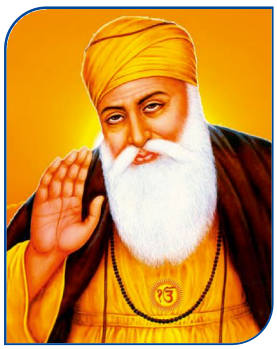

गुरु नानक देव
गुरु नाणग देवो

आचार्य हेमचन्द
आयरियो हेमचंदो

शंकराचार्य
संकरायरियो

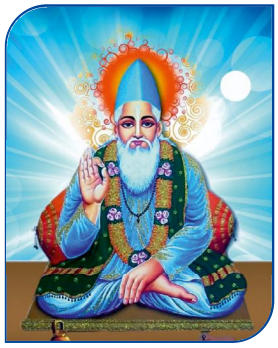

कबीर दास
कबीर दासो

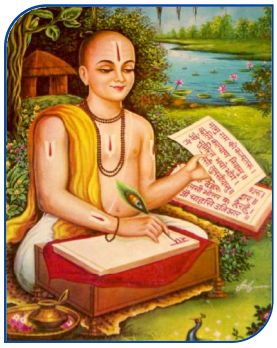

तुलसी दास
तुलसी दासो

स्वामी दयानन्द
सामी दयाणंदो

स्वामी विवेकानन्द
सामी विवेगाणंदो

अभ्यास

A

मिलान करो

1.	जैन धर्म	गुरु णाणग देवो
	सनातन धर्म	ईसा मसीहो
	सिक्ख धर्म	महप्पा बुद्धो
	ईसाई धर्म	महावीर सामी
	बौद्ध धर्म	सिरी कण्हो
	आर्य समाज	सामी दयाणंदो

B

किन्हीं 10 महापुरुषों के प्राकृत नाम लिखो।

....

....

....

....

....

C Pic. देखो नाम बताओ।

 ....

 ....

 ....

 ....

 ....

 ....

23 देश के प्रधानमंत्री (Prime Ministers of India)

(देसस्स पहाणामच्चा)

जवाहरलाल नेहरू
जवाहर लाल नेहरू

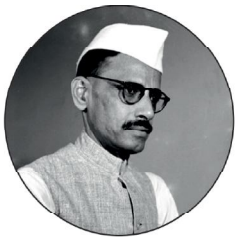

गुलजारी लाल नन्दा
गुलयारी लाल नन्दा

लाल बहादुर शास्त्री
लाल बहाउर सत्थी

इन्दिरा गांधी
इंदिरा गंधी

मोरारजी देसाई
मोरारजी देसाई

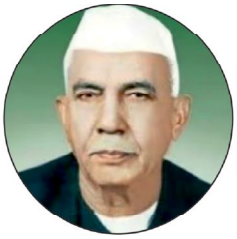

चौ. चरण सिंह
चो. चरण सिंघो

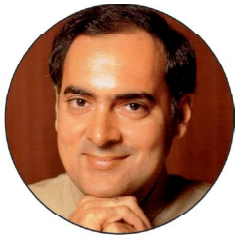

राजीव गांधी
राईव गंधी

वी.पी. सिंह
वी.पी. सिंघो

चन्द्र शेखर
चंद सेहरो

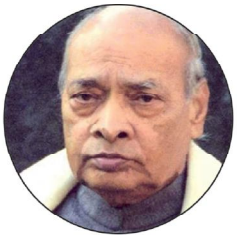

पी.वी. नरसिम्हा राव
पी.वी. नरसिंहा रावो

अटल बिहारी वाजपेयी
अडल बिहारी वायपेई

एच.डी. देवेगौड़ा
एच.डी. देवेगोलो/डो

आई.के. गुजराल
आई.के. गुयरालो

डॉ. मनमोहन सिंह
डा. मणमोहण सिंघो

नरेन्द्र मोदी
नरिंद मोई

अभ्यास

1. दिए गए क्रम से प्रधानमंत्रियों के प्राकृत नाम लिखें।

1st ..... 9th .....

3rd ..... 11th .....

5th ..... 13th .....

7th ..... 15th .....

---

2. Pic. देखकर प्राकृत नाम लिखें।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

जयउ भारहमाआ।
– भारत माता की जय हो।

24 देश के प्रसिद्ध व्यक्ति (Famous Person of India)

(देसस्स पसिद्धयमा जणा)

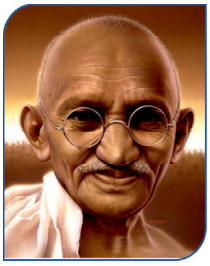

महात्मा गांधी
महप्पा गंधी

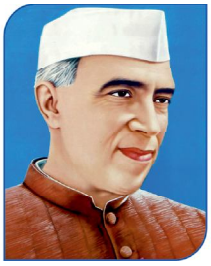

जवाहर लाल नेहरू
जवाहर लाल नेहरू

बी.आर अम्बेडकर
बी.आर. अंबेलगरो

सरदार वल्लभ भाई पटेल
सरयार वल्लह भाई पडेलो

सुभाष चन्द्र बोस
सुहास चंद बोसो

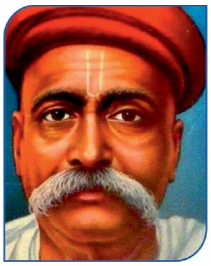

बाल गंगाधर तिलक
बाल गंगाहर तिलगो

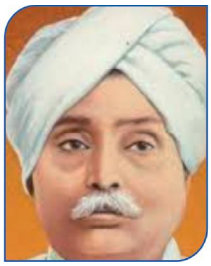

लाला लाजपत राय
लाला लायपत्त राओ

भगत सिंह
भगय सिंघो

इन्दिरा गांधी
इंदिरा गंधी

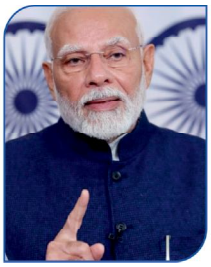

नरेन्द्र मोदी
नरिंद मोई

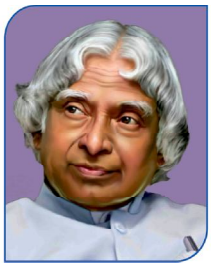

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
ए.पी.जे. अब्बुल कलामो

सचिन तेन्दुलकर
सच्चिण तेंदुलगरो

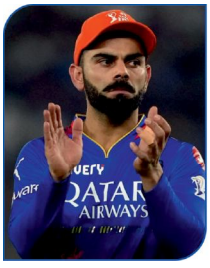

विराट कोहली
विराड कोहली

मिल्खा सिंह
मिक्खा सिंघो (मिलिखा सिंघो)

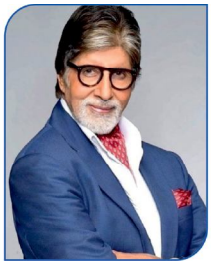

अमिताभ बच्चन
अमियाह बच्चणो

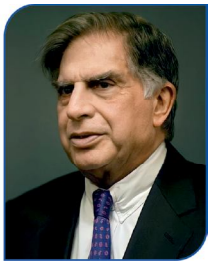

रतन टाटा
रयण टाटा

अभ्यास

1. देश के प्रसिद्ध व्यक्तियों के नाम अकारादि क्रम से प्राकृत में लिखें।

1. .....
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....
6. .....
7. .....
8. .....
9. .....
10. .....
11. .....
12. .....
13. .....
14. .....
15. .....
16. .....

2. पूछे गए नाम लिखें:-

1. एक शहीद 1. .....
2. दो खिलाड़ी 1. ..... 2. .....
3. तीन प्रधानमंत्री 1. ..... 2. .....
   3. .....
4. चार स्वतंत्रता सेनानी 1. ..... 2. .....
   3. ..... 4. .....

प्राकृत भाषा सीखने के लिए उपयोगी पुस्तकें

सुबोध प्राकृत (1-2)	-	जैन परीक्षा बोर्ड, पाथर्डी
प्राकृत स्वयं शिक्षक	-	प्रो. प्रेमसुमन जैन
प्राकृत स्वयं शिक्षक (English)	-	प्रो. प्रेमसुमन जैन
प्राकृत सुबोध पाठमाला	-	डॉ. तारा डागा
प्राकृत मार्गोपदेशिका	-	प. बेचरदास जी दोशी
प्राकृत वाक्य रचना बोध	-	आचार्य महाप्रज्ञ
प्राकृत भाषा प्रबोधिनी	-	डॉ. समणी संगीतप्रज्ञा जी
प्राकृत विज्ञान पाठमाला	-	आ. श्री कस्तूरविजय जी
आओ प्राकृत सीखें (गुजराती, हिन्दी)	-	आ. श्री कस्तूरविजय जी
प्राकृत विज्ञान बालपोथी (भाग 1,2,3,4)	-	(सूरत से छपी है)
प्राकृत दीपिका	-	डॉ. सुदर्शनलाल जैन, वाराणसी
प्राकृत प्रवेशिका	-	प्रभुदास बेचरदास पारेख
अभिनव प्राकृत व्याकरण	-	डॉ. नेमीचन्द शास्त्री
प्राकृत रचना सौरभ	-	डॉ. कमलचंद सोगानी
प्रौढ प्राकृत रचना सौरभ	-	डॉ. कमलचंद सोगानी
प्राकृत पाठमाला	-	साधुमार्गी संघ, बीकानेर
प्राकृत व्याकरण प्रवेशिका	-	प्रो. सत्यरंजन बनर्जी
प्राकृत प्रवेशिका (1,2)	-	एलाचार्य प्रज्ञसागर मुनि
प्राकृत बोध	-	प्राकृताचार्य श्री सुनील सागर मुनि
प्राकृत अनुवाद कला	-	स्नेहलता जैन
अर्धमागधी रीडर (जैन प्राकृत प्रवेशिका)	-	बनारसीदास जैन, एम.ए.
प्राकृत प्रबोध	-	डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री

प्राकृत भाषा प्रचार-प्रसार के तरीके

- प्राकृत भाषा को स्वयं सीखें व औरों को प्रेरणा दें।
- प्राकृत भाषा के मंत्र व पाठ याद करें।
- संतान का नाम प्राकृत भाषा का रखवाएं।
- अपने घर की Name Plate प्राकृत भाषा में बनवाएं।
- अपने घर में व धर्म स्थान में प्राकृत-वर्णमाला चार्ट लगाएं।
- घर में व धर्म स्थान में प्राकृत-भाषा के कुछ शिक्षा-वाक्य जरूर लगवाएं।
- प्राकृत भाषा के कुछ शब्दों का प्रतिदिन प्रयोग करने का प्रयास करें।

प्राकृत भाषा के शब्दकोश

पाइय लच्छी नाममाला	- कवि धनपाल
पाइय सद्द महण्णवो	- पं. हरगोविन्द दास त्रिकमचंद सेठ
देशीनाममाला	- आचार्य हेमचन्द्र
अभिधान राजेन्द्र कोश (1-7)	- श्री विजयराजेन्द्र सूरीश्वर
अर्धमागधी कोश (1-5)	- मुनि श्री रत्नचंद्र जी
प्राकृत हिन्दी कोश	- डॉ. के आर. चन्द्र
देशी शब्द कोश	- आ. महाप्रज्ञ
संस्कृत प्राकृत हिन्दी एवं अंग्रेजी शब्द कोश	- डॉ. उदयजैन
प्राकृत हिन्दी शब्द कोश (भाग 1,2)	- डॉ. उदयचंद जैन
प्राकृत बृहद् शब्द कोश (खण्ड 1-5)	- डॉ. राजेन्द्र रत्नेश

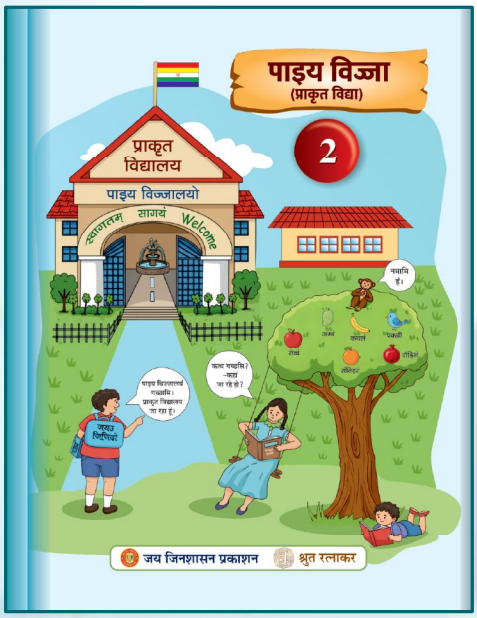

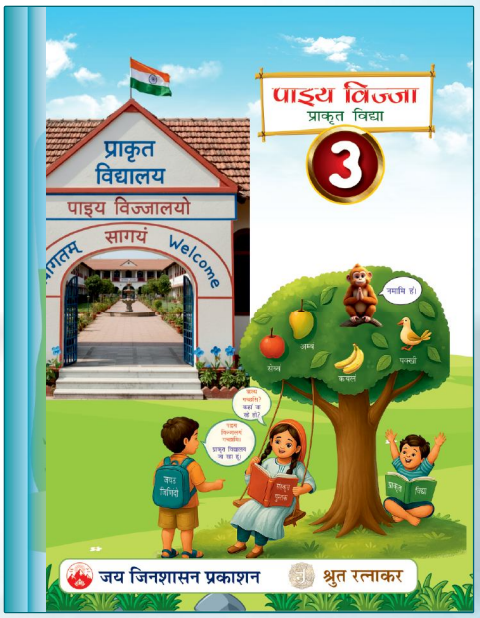

भाग 4, 5, 6 के लिए प्रतीक्षा करें ...

जय जिनशासन प्रकाशन
212, वीर अपार्टमेन्ट्स, सेक्टर-13, रोहिणी, दिल्ली-110085
रवीन्द्र जैन - 098102-87446
Email: jaijinshaasanprakaashan@gmail.com